Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

UGA–248

B.A. (Part–II) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (i) 'एक तोला अफीम की कीमत' एकांकी की मूल भावना पर प्रकाश डालिए।

   (ii) पर्दे के पीछे एकांकी में आये पात्र घीसालाल की मनोव्यथा को वर्णित कीजिए।

(iii) 'मकड़ी का जाला' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(iv) "कौनसे महाराज के साथ किया भोजन ?" शुभा के इस प्रश्न को समझाइए।

(v) गांधारी और धृतराष्ट्र वन क्यों जाना चाहते थे ? समझाइए।

(vi) ''स्त्री जैसे कोई धन-सम्पदा है जिसे कोई भी बलपूर्वक जीत सकता है।'' यह कथन किसका है और किसे इंगित किया गया है ?

(vii) 'अंधेर नगरी' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(viii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के दो नाटकों के नाम लिखिए।

(ix) नाटक एकांकी के अन्तर को समझाइए।

(x) ''रंगमंच नाटक से भिन्न है'' स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ब

2. उनकी निष्ठा को ओछा नहीं कर रही। कई बार व्यक्ति अपनी परिस्थितियों के कारण प्रेम का प्रत्युत्तर नहीं दे पाता। लेकिन जो उसे प्रेम करता है उसके लिए, उसकी सन्तति के लिए एक कोमल भाव तो बना ही रहता है मन में। यह अस्वाभाविक नहीं।

3. लोक निन्दा के भय से। सत्यवती और भीष्म का दबाव भी था—मुनिवर के शाप का भय भी। स्त्री चारों ओर से कितनी त्रस्त रहती है, यह केवल हम जान सकती हैं। पुरुष इस भय को नहीं समझ पाते—कुरुवंश के पुरुष तो बिल्कुल नहीं जो स्त्री को उपभोग की वस्तु मानते रहे—अधिक से अधिक अपना क्षेत्र।

4. दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अंधेर है, अरे गुरुजी महाराज का कहा मैंने न माना उसका फल मुझको भोगना पड़ा गुरुजी कहाँ हो आओ, मेरे प्राण बचाओ, अरे मैं बेअपराध मारा जाता हूँ।

5. नारायण दास ने इनसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, तो मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौनसी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा है ?

6. मुझे आपसे बहुत उम्मीद है। आपके कैरियर और सर्टिफिकेट्स को देखते हुए ही मैंने आपको रखा है। मैं नए आदमियों को मौका देना चाहता हूँ। उनमें जोश होता है काम के लिए।

7. घर एक ऐसी चीज है जो हर आदमी की बुनियादी जरूरत है, उसकी सुख-शांति का आधार है, आदमी काम करता है कमाने के लिए। कमाता है आराम पाने के लिए और सही मायने में आराम वह तभी पा सकता है जब उसके पास अपना एक घर हो।

8. मैं ऊब गई हूँ। मेरा मन उचट गया। मैं सारा संसार मथूंगी, अपने अंदर बाहर सब मथूंगी। लेकिन चुपके-से, जैसे किसी को मालूम न हो (कुछ रुककर जैसे किसी ने कुछ कहा) नहीं मेरी हँसी में न सूरज है न चाँद। मुझे यह सब सोचने का वक्त नहीं है। मुझे बहुत कुछ करना है।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. 'हस्तिनापुर' नाटक के आधार पर अम्बिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. 'अंधेर नगरी' में परिस्थितियों पर करारा व्यंग्य किया गया है। विवेचित कीजिए।

11. 'कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी' एकांकी के कथानक को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को समझाइए।

12. नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नाटक के तत्त्वों को समझाइए।